Choice of manhood
Hegemonic masculinity
Hindi version PDF
Azad Foundation

Men For Gender Justice Program

Azad Foundation

मर्दानगी के विकल्प .....

सकारात्मक मर्दानगी

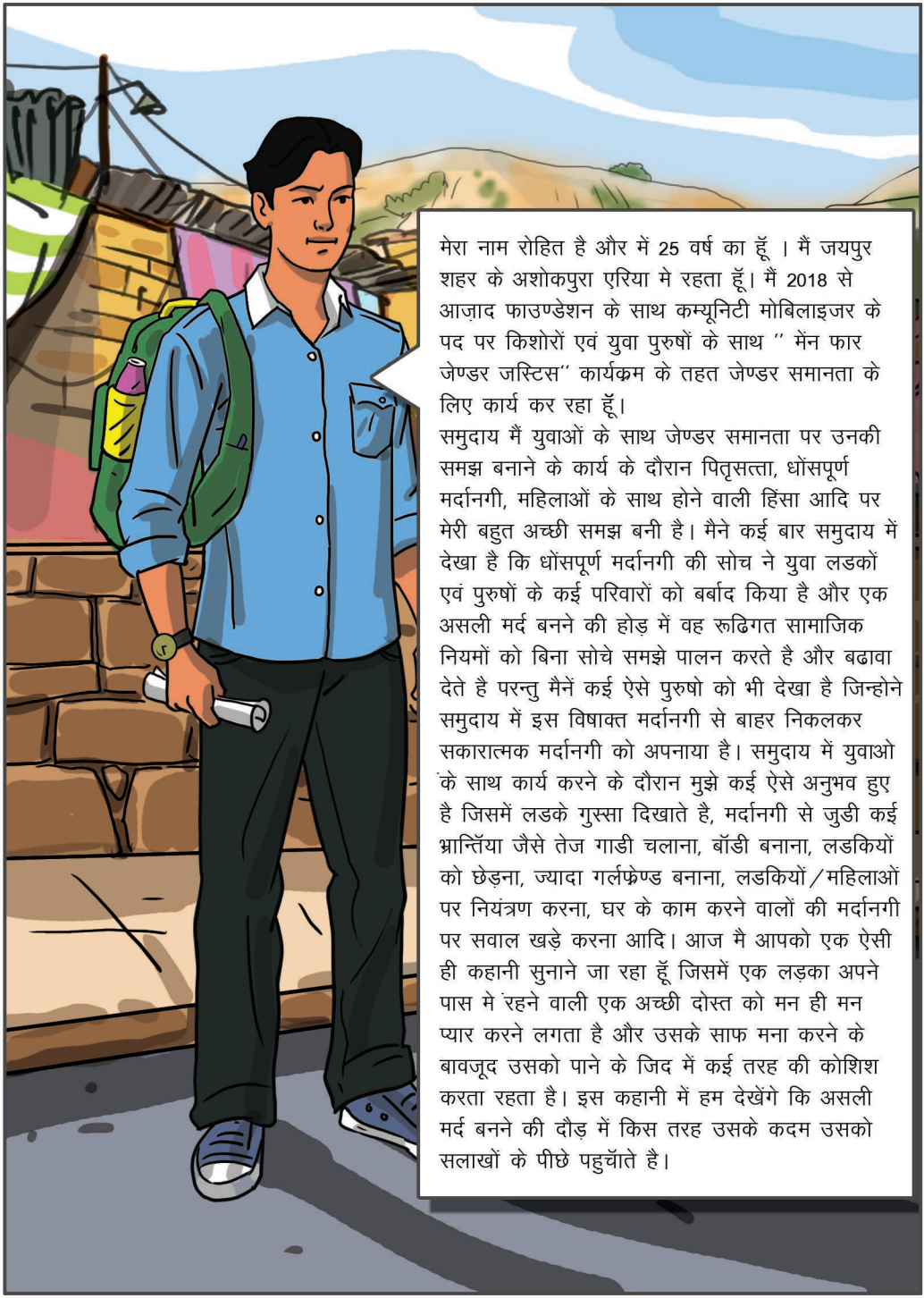
मेरा नाम रोहित है और में 25 वर्ष का हूँ । मैं जयपुर शहर के अशोकपुरा एरिया मे रहता हूँ। मैं 2018 से आज़ाद फाउण्डेशन के साथ कम्यूनिटी मोबिलाइजर के पद पर किशोरों एवं युवा पुरुषों के साथ '' मेंन फार जेण्डर जस्टिस'' कार्यक्रम के तहत जेण्डर समानता के लिए कार्य कर रहा हूँ।
समुदाय मैं युवाओं के साथ जेण्डर समानता पर उनकी समझ बनाने के कार्य के दौरान पितृसत्ता, धोंसपूर्ण मर्दानगी, महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा आदि पर मेरी बहुत अच्छी समझ बनी है। मैने कई बार समुदाय में देखा है कि धोंसपूर्ण मर्दानगी की सोच ने युवा लडकों एवं पुरुषों के कई परिवारों को बर्बाद किया है और एक असली मर्द बनने की होड़ में वह रूढिगत सामाजिक नियमों को बिना सोचे समझे पालन करते है और बढावा देते है परन्तु मैनें कई ऐसे पुरुषो को भी देखा है जिन्होने समुदाय में इस विषाक्त मर्दानगी से बाहर निकलकर सकारात्मक मर्दानगी को अपनाया है। समुदाय में युवाओ के साथ कार्य करने के दौरान मुझे कई ऐसे अनुभव हुए है जिसमें लडके गुस्सा दिखाते है, मर्दानगी से जुडी कई भ्रान्तियां जैसे तेज गाडी चलाना, बॉडी बनाना, लडकियों को छेड़ना, ज्यादा गर्लफ्रेण्ड बनाना, लडकियों/महिलाओं पर नियंत्रण करना, घर के काम करने वालों की मर्दानगी पर सवाल खड़े करना आदि। आज मै आपको एक ऐसी ही कहानी सुनाने जा रहा हूँ जिसमें एक लड़का अपने पास मे रहने वाली एक अच्छी दोस्त को मन ही मन प्यार करने लगता है और उसके साफ मना करने के बावजूद उसको पाने के जिद में कई तरह की कोशिश करता रहता है। इस कहानी में हम देखेंगे कि असली मर्द बनने की दौड़ में किस तरह उसके कदम उसको सलाखों के पीछे पहुचॉते है।

सुनील की मॉ

सुनील के पिताजी

सुनील

सुजाता

सन्नी

राहुल

यह कहानी जयपुर शहर के झालाना एरिया में घटित एक लड़के एवं लड़की की कहानी है जो दोनो पड़ोस में रहते है और एक ही कॉलेज में पढते है। सुनील सुजाता को पसंन्द करता है परन्तु सुजाता सुनील को केवल अपना एक अच्छा दोस्त मानती है। किस प्रकार सुनील रिजेक्शन को देखता है ? उसके दोस्त सुजाता को मनाने के लिए क्या सलाह देते है? धोंसपूर्ण मर्दानगी कैसे लड़को/पुरुषों की जिन्दगी को खतरे में डालती है ?

सुबह के 9 बजे का समय

सुनील की माँ उसके पिताजी के लिए टिफिन तैयार कर रही है । घर के बाहर सुनील अपनी बाईक को साफ कर रहा है

सुनील के पिताजी काम पर जाने के लिए तैयार हो रहे है। वह ऑटो ड्राइवर है और घर में वही एकमात्र कमाने वाले व्यक्ति है।

झालाना इंदिरा नगर, सैन कालोनी, शिव कालोनी आदि कई छोटी छोटी कॉलोनी मे बटॉ हुआ है।

सुनील 20 साल का है और वह झालाना में अपने परिवार के साथ रहता है। सुनील बीए कर रहा है और उसको अपनी बाइक से बहुत प्यार है ।

सुनील के कई दोस्त है और उसके दोस्तों में उसकी एक अलग ही पहचान है । सुनील के सभी दोस्त उसकी बात मानते है और कोई उसकी बात का विरोध नही कर सकता है।

क्या हो रहा है ?
सब बढिया है भाई । तुम बताओ कैसा चल रहा है।
सुनिल अपने दोस्तो के साथ चाय की थडी पर बैठा हुँआ है

अरे सुन! चल जा एक सिगरेट लेकर आ....

तुम्है कल की स्टोरी सुनाता हूँ कल जब में सुजाता के साथ मूवी देखने गया था तो
वहा पर मेरी 2–3 लड़को के साथ भिडन्त हो गयी थी लेकिन मैने अकेले ही उन सब को चित कर दिया ।

थोडी देर में तो कोई दिखाई नही दिया।

सुनील सिगरेट का कश लेता है

और फिर सुनील अपनी बाइक पर स्पीड में उड़ जाता है.....

अरे ! बूढ़े तूझे मेरी बाइक के नीचे आकर ही मरना है क्या !

सुजाता थोड़ी दूर ही सुनील के घर के पास में ही रहती है। सुजाता 20 साल की है और कालेज में टॉपर है।

सुजाता और सुनील पास में ही रहते है तो अधिकतर उनका मिलना–जुलन होता है, बातचीत भी होती है। जब भी सुजाता को सुनील की किसी भी मदद की जरुरत होती है तो बिना किसी हिचक के वह सुनील से कह देती है।
कभी–कभी सुनील सुजाता को अपनी बाइक पर कालेज भी छोड़ देता है।

दोनों अच्छे दोस्त है

कई बार आपस में वह whatsapp पर भी chat करते रहते है।

हॉ, यार यह तो सही है। दोनो सेक्सी है। अपने में तो किसी के गर्लफ्रेण्ड भी नही है यार अपने दोस्तों में केवल सुनील ही है जिसके कोई होगी।
विराट और अनुष्का साथ में दोनों मस्त लगते है, तुम्हे क्या लगता है?
सुनील और उसके दोस्त हमेशा की तरह चाय की थडी पर बैठे हुए है।

हेलों सुनील, तेरी भी है क्या कोई अनुष्का जैसी?
हॉ यार ! मैसुजाता को बहुत पसन्द करता हूँ और वह भी मुझे पसन्द करती है।

बात में दम है और तूम दोनो की जोड़ी भी मस्त लगती है।तुम्हे उसको प्रपोज कर अपने दिल की बात जरुर बतानी चाहिये।

सुनील सुजाता के सपने देख रहा है।

Bhargav Kirana Store
सुनील अपने दोस्तों के साथ किराने की दुकान पर खड़ा है और सुजाता कुछ सामान लेने आती है।
जब वह सामान लेकर जाने लगती है तो
सुनील उसको आवाज देता है
हेलो सुजाता, तुम से कुछ बात करना था।
हॉ, बोलो
हॉ, कुछ स्पेशल बात कहना है अपने दिल की ।
सुजाता मै तुम्हे बहुत पसन्द करता हूँ !
आई लव यू
क्या ?
सॉरी, मैने तुम्हे केवल अपना एक अच्छा दोस्त समझा है।
सुनील, मैने तुम्है इस नजर से कभी नहीं देखा!
सुजाता अपने घर चली जाती है।

टूटे हुए दिल के साथ सुनील सिगरेट पीता जा रहा है। उसके दोस्तो के कॉल आ रहे है पर वह किसी का कॉल रिसिव नहीं कर रहा और किसी से मिलना भी नहीं चाह रहा है।

वह मेरे छोटे से जाक्ॅस पर हसॅती थी, वह रात में मुझ से चेट करती है । मेरे साथ कालेज भी जाती है जरुर वह मुझे पसन्द करती है परन्तु उसने मुझे मना क्यों किया ?
सुजाता कैसे मुझे मना कर सकती है !

SUNNY calling

15 MISSED CALL ALERT

क्या हुआ ? तुम मेरे फोन का जवाब क्यों नही दे रहे हो ?

तुम इस बारे में ज्यादा मत सोचो! वह अधिकतर तुम्हारे साथ रहती है, तुमसे अपनी हर बात शेयर करती है,उसने ऐसे ही ना बोल दिया होगा ! अरें इन लड़कियों की ना मे ही हॉ होती है ।
हॉ, वह सही कह रहा है, मेरे खयाल से तुम्है उसको एक बार दुबारा प्रपोज करना चाहिए। मै लडकियों को अच्छी तरह जानता हूॅ इस बार वह जरुर मान जायेगी ।
सुनील उसके दोस्तों की बातों से प्रभावित हो जाता है और सुजाता को प्रपोज करने का निश्चय करता है।

सुनील ! उसका हाथ पकड़ कर यह फूल दे देना ।
उसके बाद उससे अपनी दिल की बात कहना। जरुर वह तुम्हारी बात मान जायेगी।
सुजाता कालेज के मैदान में अपनी दोस्त से बात कर रही है।
GOVERNMENT COLLEGE JLN MARG, JAIPUR
आज कुछ भी हो जाये सुजाता को अपने दिल की बात मनवा के ही रहूँगा।
नहीं, अभी मै उस पर काम कर रही हूँ ।
हैलो सुजाता, कल जो प्रोजेक्ट दिया था वह कर लिया क्या तुमने ?
जल्दी खत्म कर उसको। अपने को इसको कल तक ही जमा करवाना है।
सुनील सुजाता के पास जाता है
हेलो
हेलो
सुनील सुजाता के पास जाता है और उसको आवाज देता है ।
सुजाता उस दिन से मै सो नही पा रहा हूँ । बस तुम्हारे बारे में सोचता रहता हूँ।
मै किसी भी काम पर ध्यान नही लगा पा रहा हूँ
मै तुम्है बहुत पसन्द करता हूँ और तुम केवल मेरी हो ।
सूनील मै तुम्है पहले ही बता चुकी हूँ और तुम अभी भी वही बात कर रहे हो।
सुजाता गुस्सा हो जाती है।

वह सुजाता का हाथ पकड़ता है और गुलाब के फूल देते हुए कहता है कि
प्लीज, मुझे समझने की कोशिश करो ,मै तुमसे बहुत प्यार करता हूँ। हम दोनो साथ मे बहुत खुश रहेंगे।
सुजाता सुनील को थप्पड़ मार देती है ।
सुनील तुम्है समझ नही आता। नही का मतलब नही होता है चाहे एक बार कहे या सौ बार । क्यों मेरे पीछे पड़े हो। आज के बात मत करना मुझ से ओर ना ही कभी अपनी शक्ल दिखाना ।
सुनील नाराज हो जाता है ।
आज तक जो भी मैने चाहा वह सब मैने हासिल किया है। अगर तुम मेरी नही हो सकती हो तुम्है किसी और का भी नही होने दूंगा।
सुनील चिल्लाते हुए वहा से चला जाता है और धीरे धीरे उसके सभी दोस्तों को पता चल जाता है कि सुनील एक लड़की से थप्पड़ खा कर चुपचाप आ गया और सभी इसका मजाक बनाना शुरु कर देते है।
अरे आज तो कालेज में सब के सामने सुनील की इज्जत की किरकरी हो गयी ।
सच मे वह तो लूजर है .....वह एक लड़की को नही मना पाया अगर उसकी जगह में होता तो अभी तक सुजाता मेरी बाहों मे होती।
हॉ ... वाकई वह तो लूजर निकला। वह अपनी मर्दानगी का रोब केवल अपने दोस्तों मे ही दिखा सकता है। एक लड़की ने सबके सामने उसको थप्पड़ मार दिया और उसने कुछ नही किया।
सुनील को जब इन सब बातों के बारे मे पता लगा कि उसके दोस्त उसका मजाक बना रहे है तो उसने सुजाता को सबक सिखाने का निश्चय किया ।
उसने मुझे सब के सामने बेइज्जत किया है अब मै चखॉउंगा उसको थप्पड मारने का मजा ।

कुछ दिनों बाद
BUS STAND
सुजाता बस स्टेण्ड पर कॉलेज जाने के लिए बस का इन्तजार कर रही है।

सुनील अपने दोस्त के साथ आता है और सुजाता पर एसिड फेंक कर वहॉ से भाग जाता है।

आप इसे संभालों, मै एम्बुलेंस को फोन करता हूँ
अरे ! यह क्या हो गया ।
दो लोग भीड मे से निकलकर सुजाता की मदद के लिए आगे आते है।

हे भगवान! बस यही दुआ है कि यह लड़की ठीक हो, पता नही उन लड़को ने ऐसा क्यों किया?
एम्बूलेंस आती है और दोनों व्यक्ति सुजाता को लेकर हास्पिटल जाते है ।

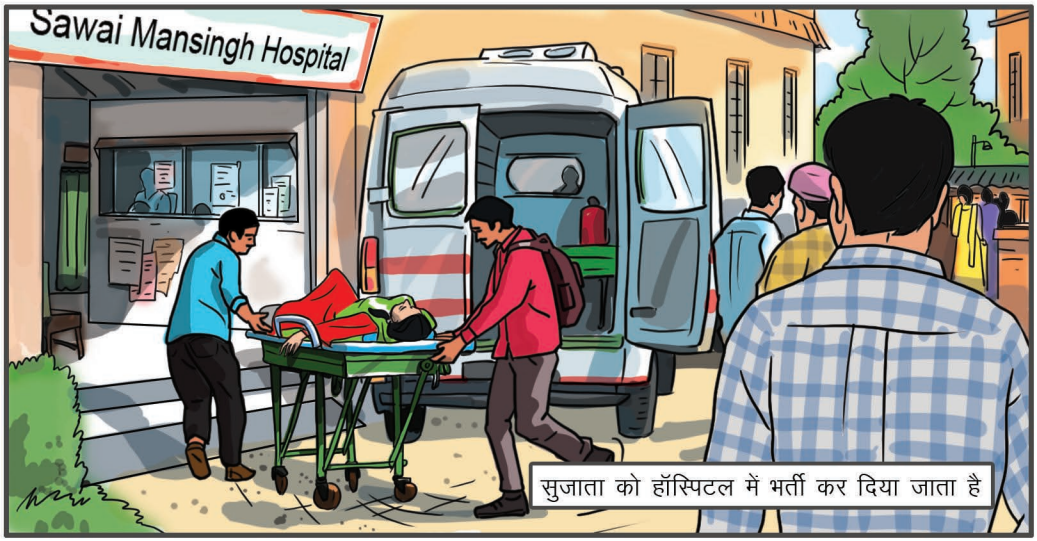
Sawai Mansingh Hospital
सुजाता को हॉस्पिटल में भर्ती कर दिया जाता है

डॉक्टर इलाज के लिए सुजाता को ऑपरेशन थियेटर में लेकर जाते है

डॉक्टर सुजाता का इलाज करना शुरू करते है

Sawai Mansingh Hospital
मामले की जॉच के लिए पुलिस हॉस्पिटल आती है

और सुजाता से उसके साथ हुई घटना के बारे में पूछतें है

पुलिस के डर के कारण सुनील अपने दोस्त के घर छुप जाता है ।

पुलिस सुनिल को ढूँढ लेती है और उसको गिरफ्तार कर लेती है और उसके अन्य दो दोस्तों को ढूंढ रही है ।

सुनील को 10 साल की सजा होती है

पत्रकार पुलिस से इस धटना के बारे मे पूछते है ।

सर ,आप हमें बताइये क्या हुआ ? इस लड़के ने क्यो लड़की के उपर एसिड फेंका ?

लडकी नें लडके के प्रपोजल को ठुकरा दिया तो लडके का मर्द होने के इगो पर चोट लगी और अपनी मर्दानगी को साबित करने एवं लडकी से बदला लेने के लिए अपने दोस्त के साथ मिलकर उस पर एसिड फेंक दिया ।

यह बहुत ही शर्म की बात है कि सुनील ने इतने छोटे से मामले पर इतना बडा गलत कदम उठाया।

एक व्यक्ति को इज्जत कमाने में काफी साल लग जाते है और सुनील ने सारी इज्जत मिटट्री मे मिला दी और अब तो उसके माता पिता भी किसी को चेहरा दिखाने लायक नही रहे।

सुनील के मोहल्ले मे लोग इस धटना के बारे में बात कर रहे है।

ऐसा क्या नही किया हमने सुनील के लिए ? मैने कभी नही सोचा था कि कभी ऐसा दिन भी आयेगा कि उसकी इस हरकत से इतना शर्मसार होना पड़ेगा।

एक साल बाद

सुनील जेल में बैठा है और अपने द्वारा की गयी घटना के बारे में सोच रहा है और मन ही मन अपनी गलती के लिए खुद को कोश रहा है।

सुजाता ठीक हो जाती है और खुशी से अपनी जिन्दगी जी रही है ।
कुछ दिनो के बाद सुजाता इस घटना के सदमें से बाहर निकल जाती है एवं अपनी आगे की पढाई को पुनः प्रारम्भ करती है । अभी उसने बीए कर लिया एवं बैंक मे जॉब कर रही है और खुशी से अपनी जिन्दगी के सपनों को साकार करने के लिए कदम बढा रही है।

सार नोट :

हमारे समाज में सामाजिक रुप से मर्द होने की कई परिभाषाएँ है और यह समय, स्थान और संस्कृति के साथ बदलती रहती है। समाज निर्माण में मर्दानगी के कई प्रारुप देखने को मिलते है,जो मर्द होने के अहसास को परिभाषित करते है। हमारे परिवारों में बचपन से ही लड़को का सामाजिकरण इस प्रकार किया जाता है कि वह मर्दानगी के बाक्स में फिट हो सके और जो इसमे फिट नही होते या नही चाहते या थोडा भी इधर–उधर होते है तो उनको बेइज्जती या बहिष्कार झेलना पड़ता है।

आमतौर पर समाज में प्रचलित सामाजिक धारणॉए पुरुषों को आक्रामक होने, महिलाओं को नियंत्रण करने, भावनाओं को व्यक्त न करना, शारिरीक एवं मानसिक रुप से मजबूत होना, अलगछवि बनाकर रखना, किसी भी कीमत पर जीतना, अनावश्यक जोखिम लेना कई ऐसे व्यवहार है जो धोंसपूर्ण मर्द होने के व्यवहार को प्रोत्साहित करती है। पुरुषों पर पितृसत्ता एवं मर्दानगी को साबित करने के दबाव न केवल लड़कियों एवं महिलाओ के साथ दुर्व्यवहार को बढावा देते है बल्कि पुरुषो को भी मानसिक, आर्थिक,शारीरिक नुकसान अपनी जिन्दगी में उठाने पड़ते है। सुनील की कहानी इन्ही धारणाओ का उदाहरण है कि इस धोंसपूर्ण मर्दानगी से किस प्रकार स्वयं एवं परिवार के लोंगो का जीवन नष्ट हो जाता है।

हमारे जीवन में मर्दानगी की इन धारणॉओं के निर्माण में फिल्मों, गानों का भी महत्वपूर्ण स्थान है। अगर फिल्मों में प्यार को पाने को अगर किसी अलग प्रकार से दिखाया गया होता तो शायद सुनील किसी अन्य तरीके से भी सोचकर निर्णय लेता और आज उसकी एवं उसके परिवार की जिन्दगी अलग होती।

यह आश्चर्यजनक है कि किशोर लड़को की रुचि, उनका झुकाव, प्रतिक्रियॉए कही न कही असली मर्द बनने एवं अपने दोस्तोमे प्रदर्शन करने से जुडी होती है। लडके अपने जीवन मे शक्तिशाली, रोबदार होने की छाप छोड़ना चाहते है।

सुनील की कहानी से कई ऐसे सबक है जो हम सीख सकते है । कहानी मे हमने देखा कि सुनील अपने दोस्तो मे सभी को डरा धमका कर अपना रोब जमाता है और नशा करता है। सुनील की मर्दानगी को चोट तब लगती है जब सुजाता उसकी बात नही मानती है और उसके प्यार को ठुकरा देती है और सुनील इसको सहन नही कर पाता है कि कैसे कोई लड़की उसको मना कर सकती है। सुनील ने इसको अपने अहंकार पर लेकर सुजाता से बदला लेने का निश्चय किया। साथ ही उसके दोस्तोने भी उसको यह करने के लिए प्रोत्साहित किया ।

इस कहानी से हम यह भी सीख सकते है कि हमे अपनी जिन्दगी मे लड़कयों एवं महिलाओं की पसंद के फैसलो को सम्मान करना चाहिये और किसी लडकी के मना करने पर सम्मान के साथ उसके फैसले को स्वीकार करना चाहियें। साथ ही यह भ्रम है कि लडकियों की ना में ही हॉ होती अगर किसी लडकी ने मना कर दिया तो इसका मतलब यह नही है कि बार बार पीछा करने, गुलाब का फूल ले जाने से कोई लडकी आपके प्यार को स्वीकार कर लेगी । बार–बार पीछा करना, किसी के साथ जबरदस्ती करना भी हिंसा का एक स्वरुप है और महिला की शिकायत पर कानूनी कारवाई हो सकती है।

एक असली मर्द होने का मतलब यह नही है कि किसी को जबरदस्ती अपनी बात मनवाना, नियंत्रण करना, बाहर काम नही करने देना बल्कि आगे बढने मे उनका साथ देना, महिलाओं के साथ होने वाली ऐसी घटनाओं, हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने से हैं। हमेशा मजबूत एवं रोबदार व्यहार करने के बजाय लड़को एवं पुरुषों को भी अपनी समस्याओं के बारे मे खुलकर बात करने और दूसरों से सहयोग मांगने में सहज होना चाहिये ।

एक बार पूरी कहानी के बारे मे सोचिये कि अगर आप सुनील और उसके दोस्त की जगह होते तो आप ऐसा क्या करते जिससे जो सुनील उसके परिवार एवं सुजाता के साथ हुआ वह नही होता ?

मर्दानगी की धारणाओं को तोडते हुए हमारे घरो में यह सीखाना चाहिये कि मर्द होने का मतबल किसी लडकी को जबरदस्ती अपने प्यार के लिए मनवा लेना या मना करने पर उससे बदला लेना नही है, कठोर और भावनारहित होना नही हो, छोटी छोटी बातों पर चीखना न हो, हिंसा करना न हो, रोबिला या गुस्सैल, आक्रामक होना न हो। जेण्डर असमानता केवल लडकियों और महिलाओं का मुद्दा नही है, इसके परिणाम व्यापक है और लड़को/पुरुषो सभी को प्रभावित करते है। लड़को एवं पुरुषों को सकारात्मक/वैकल्पिक मर्दानगी का चुनाव करना चाहिये जो विषाक्त मर्दानगी की संस्कृति को समाप्त कर सके और रूढिवादी सामाजिक नियमों को चुनौती दे।

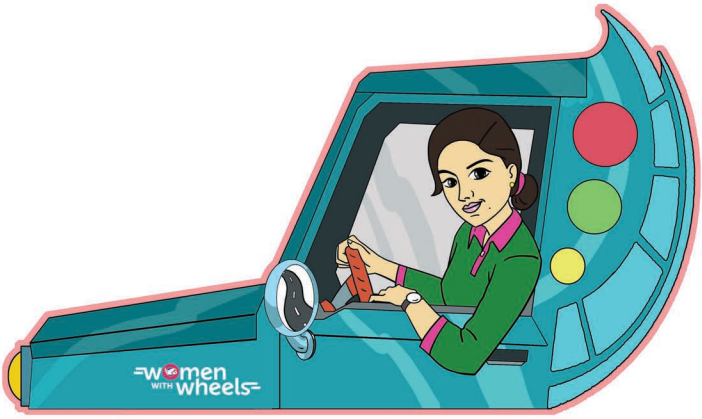

आज़ाद फाउण्डेशन के बारे में

आज़ाद फाउण्डेशन एक नारीवादी संस्था है जो सामाजिक और धार्मिक बटवारे के परे जाकर संसाधन विहीन महिलाओं को गैर परम्परागत रोजगार मे प्रशिक्षित कर उन्है सशक्त बनाने का कार्य करता है । आज़ाद पितृसत्ता की सीमाओ और ढांचो को तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि महिलाये अपने जीवन पर नियंत्रण कर सके जिससे वह सम्मान के साथ अपना जीवनयापन कर सके। यह सब हम बदलावकारी क्षमतावर्धन कार्यक्रम के जरिये करते है जो गैर परम्परागत रोजगार की दक्षता व स्व–विकास की जरुरतों को संबोधित करता है । हम समुदाय मे पुरुषो के साथ भी जेण्डर समानता के लिए काम करते है जिससे वह धोसपूर्ण मर्दानगी एवं पितृसत्ता की व्यवस्था को चुनौती दे जिससे समुदाय में महिलाओं के विकास के लिए सुरक्षित एवं सहयोगात्मक वातावरण का निर्माण हो।

जेण्डर समानता के लिए पुरुषों के साथ कार्य के बारे में

आज़ाद फाउण्डेशन का मानना है कि जेण्डर समानता के लिए पुरुषों के साथ कार्य करना महिलाओ के सशक्तिकरण का हिस्सा है जिससे महिलाएँ गैर परम्परागत रोजगार में शामिल हो सके एवं सम्मान के साथ अपनी जिन्दगी के फैसले लेने का नियंत्रण स्वंय के पास हो ।

आज़ाद फाउण्डेशन 14–20 वर्ष के युवाओं के समुदाय में समूह बनाकर, सामाजिक अभियानों मे भागीदारी, स्पोर्टस, नुक्कड नाटक आदि के माध्यम से उनके साथ कार्य करता है। समूह में कुछ सदस्यों का चयन कर उनमें नेतृत्व क्षमता का भी विकास किया जाता है जिससे वह अपने समूह के सदस्यो के सहयोग से समुदाय, परिवार मे जेण्डर आधारित हिंसा ,भेदभाव आदि का विरोध कर सके।

''मेन फॉर जेन्डर जस्टिस '' कार्यक्रम के तहत युवा लडकों एवं पुरुषों की पितृसत्ता, जेण्डर के आधार पर होने वाली हिंसा, घर के कार्यो में हिस्सेदारी, धोंसपूर्ण मर्दानगी आदि पर उनकी समझ बनाने का कार्य करते है जिससे वह जेण्डर समानता के लिए अपने व्यवहार में परिवर्तन कर जिन्दगी में रूढिवादी सामाजिक नियमों को चुनौती दे सके और साथ ही समुदाय में महिलाओं को गैर परम्परागत रोजगार से जुडने में सकारात्मक वातावरण बनाये जिससे वह सम्मान के साथ जीवन यापन कर सके। पुरुषों एवं युवाओ द्वारा घर के कार्यो में भागीदारी से महिलाओं को घर से बाहर जाकर आय सर्जन के कार्य करने, शिक्षा एवं कुछ नया सीखने के अवसर एवं माहौल मिलेगा।

जेण्ड़र समानता के लिए मेरे वादे/एक्शन

व्यक्तिगत एवं पारिवारिक स्तर पर :

1. .....

2. .....

3. .....

सामुदायिक स्तर पर :

1. .....

2. .....

3. .....

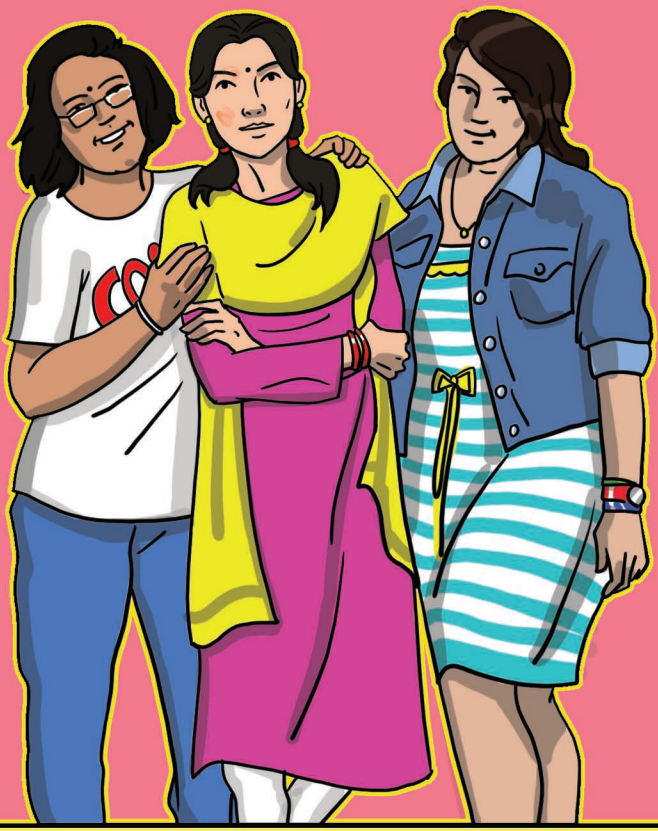

लेखक
''मेनं फॉर जेण्डर जस्टिस टीम, आज़ाद फाउण्डेशन
R-10 ए, फ्लेट नम्बर 7, 2nd फ्लोर, नेहरु एन्कलेव,
कालकाजी, नई दिल्ली, 110019
ग्राफिक आर्टिस्ट
सुमन्त्रा मुखर्जी

सहयोंग
EMpower – The Emerging markets foundation

Azad Foundation EMpower